ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भारत के डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व कर रहे हैं

परिचय

'देश का युवा' भारत के भविष्य के पथ प्रदर्शक हैं, जो अपनी ऊर्जा और नवाचार के साथ अमृत काल की आकांक्षाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। जैसा कि देश डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में यह विस्तार केवल विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने या हासिल करने को लेकर नहीं है बल्कि यह एक ऐसी दुनिया बनाने के बारे में भी है जहां तकनीक लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सशक्त बनाती है। डिजिटलीकरण के उदय ने नई संभावनाओं को खोला है। इससे लाखों लोग उन अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम हो गए हैं जो कभी उनकी पहुंच से बाहर थे। व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (जुलाई 2022-जून 2023) इस बदलाव को दर्शाता है कि कैसे ग्रामीण क्षेत्र के युवा प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं। वे रोजमर्रा की जिंदगी में डिजिटल उपकरणों का संपूर्ण रूप से उपयोग कर रहे हैं और सभी क्षेत्रों में अंतर को कम कर रहे हैं।

ग्रामीण भारत में मोबाइल का उपयोग

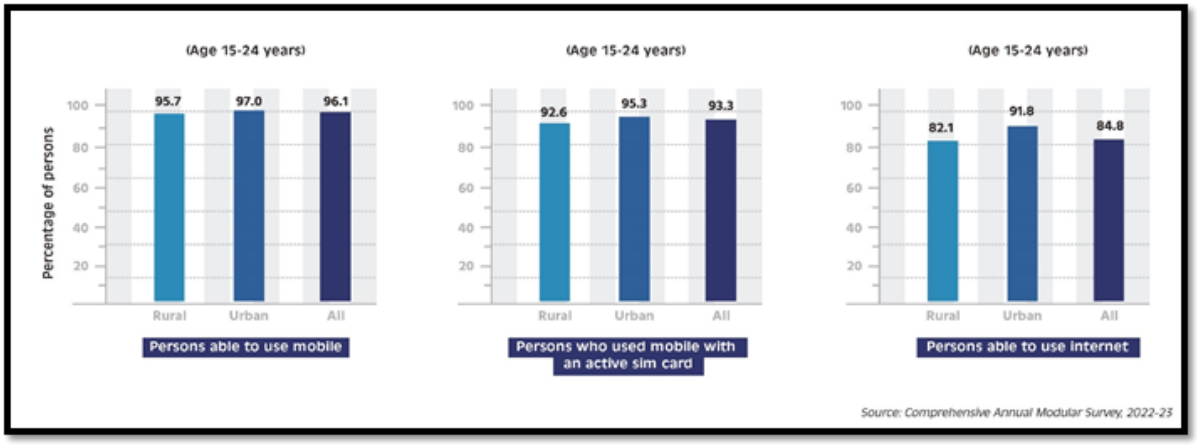

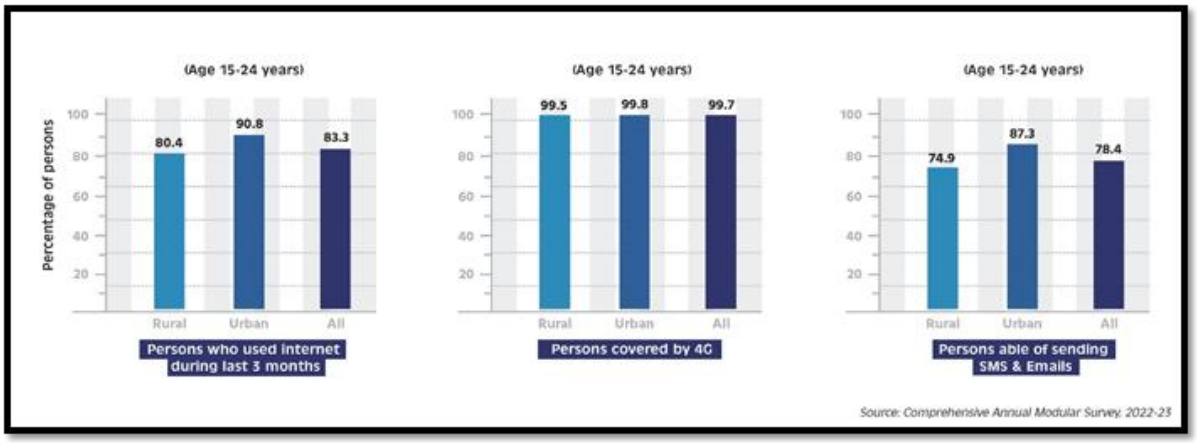

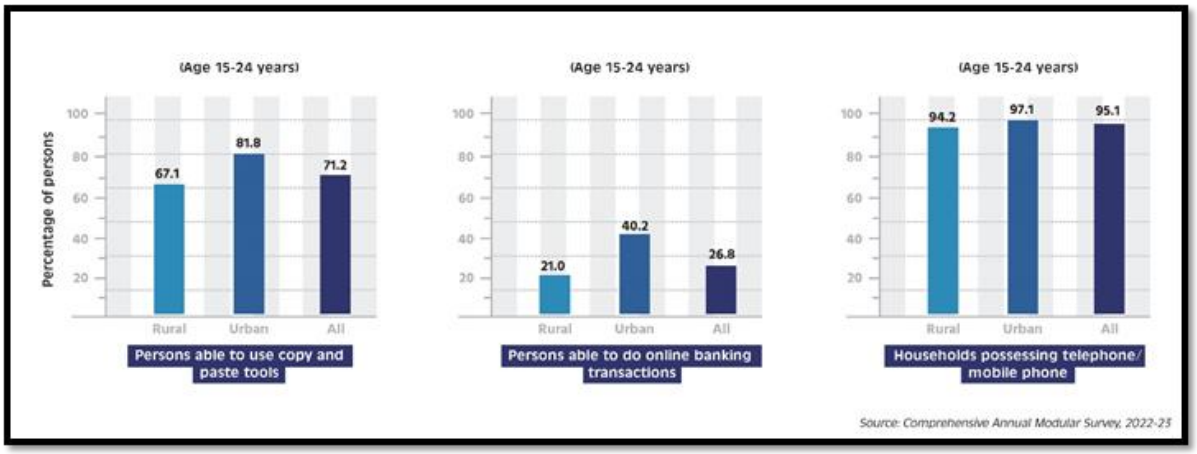

ग्रामीण भारत उल्लेखनीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, क्योंकि अधिक से अधिक युवा प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं और डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे हैं। मोबाइल प्रौद्योगिकी को अपनाने का चलन बढ़ रहा है। ग्रामीण युवाओं की बढ़ती संख्या डिजिटल उपकरणों का अपने दैनिक जीवन में संपूर्ण रूप से उपयोग कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में 15-24 वर्ष की आयु के 95.7% व्यक्ति मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे हैं जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 97% है। ग्रामीण क्षेत्रों में 99.5 प्रतिशत आबादी 4जी नेटवर्क के दायरे में है। वहीं, शहरी क्षेत्र में 99.8% आबादी के पास ही 4जी कनेक्शन है। ग्रामीण क्षेत्रों में 15-24 वर्ष की आयु के लोगों में 82.1% अब इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं, जो अधिक कनेक्टेड पीढ़ी की ओर बदलाव को

दिखाता है। हालांकि शहरी क्षेत्र अभी भी इस आयु वर्ग के लिए 91.8% इंटरनेट पहुंच के साथ अग्रणी है, लेकिन अंतर लगातार कम होता जा रहा है। व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण से पता चलता है कि सर्वेक्षण से पहले तीन महीनों में 15-24 आयु वर्ग के 80.4% ग्रामीण युवाओं ने इंटरनेट का उपयोग किया, जो ग्रामीण भारत में दर्ज किया गया उच्चतम प्रतिशत है। रिपोर्ट में बताया गया कि शहरी क्षेत्रों में 15-29 आयु वर्ग के लोगों ने 91.0% उपयोग किया, जो दिखाता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डिजिटल तकनीक अपनाने का चलन कैसे बढ़ रहा है। यह बढ़ती प्रवृत्ति ग्रामीण भारत के केंद्र में हो रहे तेजी से तकनीकी बदलाव को उजागर करती है, जो डिजिटल समावेशन और सशक्तिकरण के एक नए युग का संकेत देती है।

प्रौद्योगिकी के उपयोग का उद्देश्य

Metric	March 2014	March 2024	% increase
Broadband Definition	>= 512 Kbps	>= 2 Mbps	300%
India's Ranking in Avg Internet Download Speed	130	16	Improved by 114 ranks
Average Download Speed	4.18 Mbps	105.85 Mbps	2432.29%
Internet Subscribers (in mn)	251.59	954.40	279.34
Total Subscribers (in mn)	**933**	**1199.28**	**28.54**
Urban Tele-density	145.78%	133.72%	-8.27
Rural Tele-density	43.96%	59.19%	34.64%
Overall Tele-density	**75.23%**	**85.69%**	**13.90%**
Average Data Cost/GB	₹268.97	₹9.18	-96.58%
Average Data Consumption	0.26 GB	20.27 GB	7696%

ग्रामीण भारत की डिजिटल यात्रा लगातार आगे बढ़ रही है। युवा धीरे-धीरे विभिन्न तकनीकी कौशल में महारत हासिल कर रहे हैं। हालांकि सभी लोग डिजिटल उपकरणों का पूरी तरह से उपयोग नहीं कर रहे हैं, लेकिन कई लोग इस उभरते परिदृश्य में अपना रास्ता तलाश रहे हैं। 15-24 आयु वर्ग में 74.9% लोग अब बुनियादी संदेश भेज सकते हैं, जो डिजिटल संचार को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जैसे-जैसे डिजिटल क्षमता का विकास हो रहा है, वैसे-वैसे ग्रामीण क्षेत्रों के युवा डेटा को कॉपी करने के बाद उसे पेस्ट कर स्थानांतरित करने में सक्षम हो रहे हैं। 15-24 आयु वर्ग के 67.1% और 15-29 आयु वर्ग के 65.6% लोग यह कार्य कर रहे हैं। सूचना की तलाश के लिए इंटरनेट का उपयोग भी बढ़ रहा है। 15-24 आयु वर्ग के 60.4% और 15-29 आयु वर्ग के 59.3% लोग सक्रिय रूप से ऑनलाइन तरीके से खोज कर रहे हैं। हालांकि ईमेल भेजने जैसे कुछ क्षेत्र अब भी चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। 15-24 आयु वर्ग के केवल 43.6% ग्रामीण युवा ईमेल भेज सकते हैं जबकि 15-29 आयु वर्ग के

लिए यह संख्या 43.4% है। ऑनलाइन बैंकिंग में अभी भी कई तरह की बाधाएं हैं। इसमें 15-24 वर्ष के 31% और 15-29 वर्ष के 33.3% लोग ही लेनदेन करने में सक्षम हैं।

हालांकि अब भी एक तरह का गैप बना हुआ है। ग्रामीण युवाओं के बीच डिजिटल कौशल को धीरे-धीरे अपनाना सशक्त ग्रामीण भारत की ओर प्रगति का संकेत देता है, जहां प्रौद्योगिकी तेजी से अवसर और विकास के द्वार खोलती है।

यूनिवर्सल कनेक्टिविटी (सार्वभौमिक संपर्क) और डिजिटल इंडिया के लिए सरकार की पहल

डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई उपक्रम शुरू किए हैं, जिससे भारत के कनेक्टिविटी परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। डिजिटल इंडिया पहल के तहत प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन और उद्यमियों के विकास (टाइड 2.0), जेनरेशन-नेक्स्ट सपोर्ट फॉर इनोवेटिव स्टार्टअप्स (जीईएनईएसआईएस) डोमेन विशिष्ट उत्कृष्टता केंद्र (सीओईएस) और नेक्स्ट जेनरेशन इनक्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस) जैसी विभिन्न प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप और नवाचार योजनाएं शुरू की गई हैं। इसके अलावा भारतनेट परियोजना, जो ग्रामीण क्षेत्रों को ऑप्टिकल फाइबर केबल से जोड़ती है और यूएसओएफ (यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड) योजनाएं जो दूरदराज के गांवों में 4जी सेवाएं मुहैया कराती हैं, ब्रॉडबैंड पहुंच का विस्तार करने के लिए लागू की गई हैं। भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस) और नॉर्थ ईस्ट बीपीओ संवर्धन योजना (एनईबीपीएस) कम सेवा वाले क्षेत्रों में आईटी/आईटीईएस विकास को प्रोत्साहित करती है, जिससे रोजगार के अवसर सृजित होते हैं। देश भर में सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट प्रदान करने के लिए पीएम-डब्ल्यूएएनआई (PM-WANI) पहल भी लागू है। ये पहल सामूहिक रूप से डिजिटल विभाजन को कम करती है और भारत के डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाती हैं।

निष्कर्ष

भारत में ग्रामीण डिजिटल विस्तार युवाओं को प्रौद्योगिकी को अपनाने में सक्षम बना रहा है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहे हैं और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की खाई कम हो रही है। किफायती हाई-स्पीड इंटरनेट और विभिन्न सरकारी पहलों की उपलब्धता के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के युवा संचार, शिक्षा और वित्तीय गतिविधियों के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने में अधिक सक्षम हो रहे हैं। यह बदलाव विकास और अवसरों को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी की भूमिका की बढ़ती मान्यता का प्रतिनिधित्व करता है। जैसे-जैसे डिजिटल साक्षरता और बुनियादी ढांचा आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे ग्रामीण एरिया के युवा देश के समावेशी भविष्य में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हैं।

संदर्भ

- https://www.mospi.gov.in/sites/default/files/publication_reports/CAMS%20Report_October_N.pdf
- https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2063571#:~:text=(vii)%2082.1%25%20of%20rural,institution%20at%20all%20India%20level.

- https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2040566
- https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=151993&ModuleId=3&reg=3&lang=1

***

एमजी/आरपीएम/केसी/आरकेजे

(Backgrounder ID: 153358)